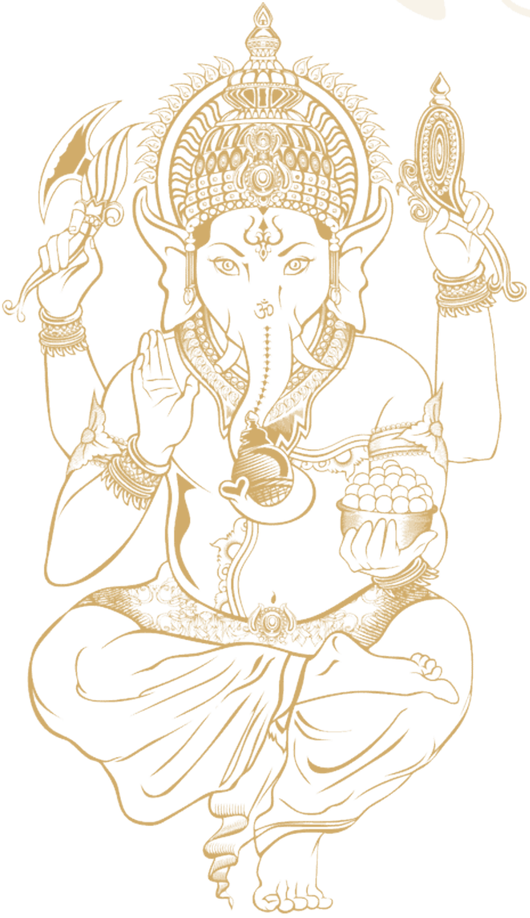

Mr.

23 Mar 2026

05:33 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121731904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:33:00 घंटे**
इष्ट	27:57:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:11:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	05:15:50 घंटे
सूर्योदय	06:22:07 घंटे
सूर्यास्त	18:33:52 घंटे
दिनमान	12:11:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:38:32 मीन
लग्न के अंश	26:03:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:03:19	317:23:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
सूर्य			मीन	08:38:32	00:59:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	08:01:46	14:26:49	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कुंभ	22:13:56	00:47:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	14:36:36	00:15:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:06:32	00:02:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	26:55:54	01:14:11	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:15:45	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:32:26	00:02:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:32:26	00:02:32	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:11:16	00:02:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:39:28	00:02:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:50:19	00:01:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	25:37:39	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

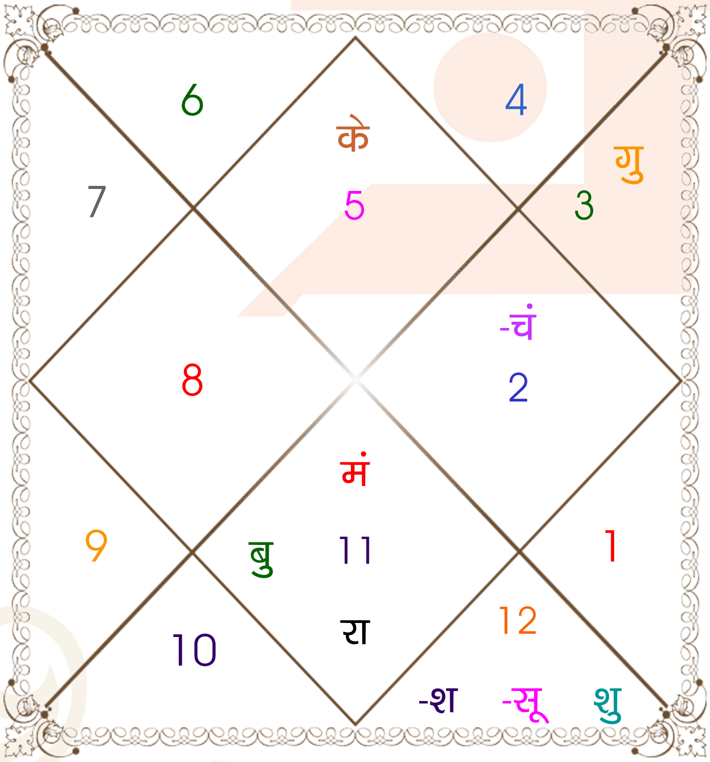

चन्द्र कुंडली

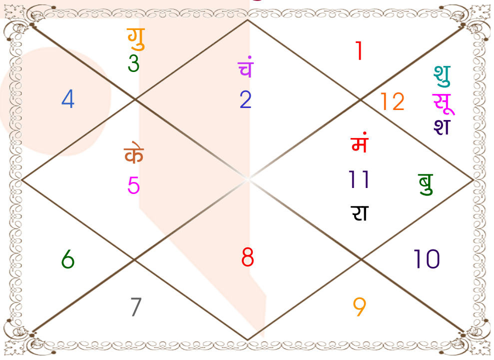

नवमांश कुंडली

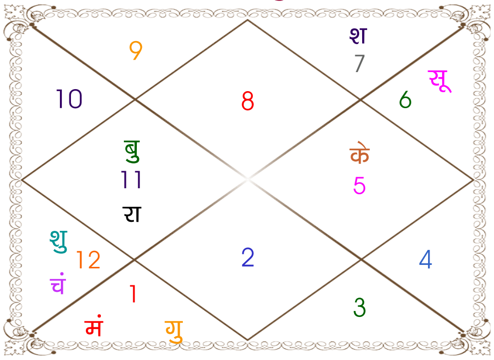

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 19 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/03/2026		10/02/2027		10/02/2037		10/02/2044		10/02/2062	
10/02/2027		10/02/2037		10/02/2044		10/02/2062		10/02/2078	
	00/00/0000	चंद्र	11/12/2027	मंगल	09/07/2037	राहु	24/10/2046	गुरु	30/03/2064
	00/00/0000	मंगल	12/07/2028	राहु	27/07/2038	गुरु	18/03/2049	शनि	11/10/2066
	00/00/0000	राहु	10/01/2030	गुरु	03/07/2039	शनि	23/01/2052	बुध	16/01/2069
	00/00/0000	गुरु	12/05/2031	शनि	11/08/2040	बुध	11/08/2054	केतु	23/12/2069
	00/00/0000	शनि	11/12/2032	बुध	08/08/2041	केतु	30/08/2055	शुक्र	23/08/2072
	00/00/0000	बुध	12/05/2034	केतु	04/01/2042	शुक्र	30/08/2058	सूर्य	11/06/2073
	00/00/0000	केतु	11/12/2034	शुक्र	06/03/2043	सूर्य	24/07/2059	चंद्र	11/10/2074
	23/03/2026	शुक्र	11/08/2036	सूर्य	12/07/2043	चंद्र	22/01/2061	मंगल	17/09/2075
शुक्र	10/02/2027	सूर्य	10/02/2037	चंद्र	10/02/2044	मंगल	10/02/2062	राहु	10/02/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/02/2078		10/02/2097		11/02/2114		11/02/2121		11/02/2141	
10/02/2097		11/02/2114		11/02/2121		11/02/2141		24/03/2146	
शनि	13/02/2081	बुध	09/07/2099	केतु	10/07/2114	शुक्र	12/06/2124	सूर्य	31/05/2141
बुध	24/10/2083	केतु	06/07/2100	शुक्र	09/09/2115	सूर्य	12/06/2125	चंद्र	30/11/2141
केतु	02/12/2084	शुक्र	07/05/2103	सूर्य	15/01/2116	चंद्र	11/02/2127	मंगल	07/04/2142
शुक्र	01/02/2088	सूर्य	13/03/2104	चंद्र	15/08/2116	मंगल	12/04/2128	राहु	01/03/2143
सूर्य	13/01/2089	चंद्र	12/08/2105	मंगल	11/01/2117	राहु	13/04/2131	गुरु	19/12/2143
चंद्र	15/08/2090	मंगल	09/08/2106	राहु	30/01/2118	गुरु	12/12/2133	शनि	30/11/2144
मंगल	23/09/2091	राहु	26/02/2109	गुरु	06/01/2119	शनि	11/02/2137	बुध	06/10/2145
राहु	30/07/2094	गुरु	04/06/2111	शनि	14/02/2120	बुध	12/12/2139	केतु	11/02/2146
गुरु	10/02/2097	शनि	11/02/2114	बुध	11/02/2121	केतु	11/02/2141	शुक्र	24/03/2146

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरुद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरुष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरु दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।